प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 10 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

जिस आश्रम की कल्पना की है उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अख़बार में नहीं दिया जाए। जो महिला आएगी वह अपने खाने–पीने की तथा कपड़े लत्ते की व्यवस्था करके ही आए। पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए। दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती हैं। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा।

आश्रम किसी धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरंभ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो। आश्रम शिक्षा संस्थान नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रय स्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। आगे चलकर संस्था की ज़मीन पर छोटे–छोटे मकान बनाए जाएँगे और उसमें संस्था के नियम के अधीन रहकर आने वाली महिलाएँ दो–दो, चार–चार का परिवार चलाएँगीं।

1. उपरोक्त गद्य में लेखक किस आश्रम की कल्पना कर रहा है ? 2

उत्तर : उपरोक्त गद्य में लेखक महिला आश्रम की कल्पना कर रहा है, जिसमें किसी पुरुष का संबंध न हो।

2. प्रस्तुत लेख का क्या उद्देश्य है ? 2

उत्तर : प्रस्तुत लेख में लेखक ने महिला आश्रम की स्थापना, उसकी व्यवस्था, वातावरण, नियम आदि से संबंधित निर्देश दिए हैं। इससे महिलाओं के एकांकी जीवन–निर्वाह में सहायता मिलेगी।

3. आश्रम में धर्म का क्या स्थान होगा ? 2

उत्तर : लेखक के अनुसार आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का वातावरण रहेगा।

4. "कलह और कुढ़न" से लेखक का क्या अभिप्राय है ?2

उत्तर : समाज में प्रायः देखा जाता है कि महिलाओं में आपस में एक–दूसरे के प्रति ईर्ष्या और जलन का भाव उत्पन्न हो जाता है, इसे ही लेखक ने कुढ़न कहा है। जिसके परिणामस्वरूप परिवारों में कलह होती है।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : महिला आश्रम।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।
जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोपल ने दी अरुणाई
लक्षमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें तोड़ें
चाहे किसी मालिन से मेरी पंखुड़ियों के रिश्ते जोड़े
ओ मुझ पर मंडराने वालों मेरा मोल लगाने वालों
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

मौसम से क्या लेना मुझको ये तो आएगा–जाएगा
दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा।
कोमल भँवरों के सुर सरगम पतझारों का रोना–धोना
मुझ पर क्या अंतर लाएगा पिचकारी का जादू–टोना
ओ नीलाम लगाने वालों पल–पल दाम बढ़ाने वालों
मैंने जो कर लिया स्वयं से वो अनुबंध नहीं बेचूँगा।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

1. प्रस्तुत काव्यांश में कवि किसकी वेदना व्यक्त कर रहा है? 2

उत्तर : प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने फूल के स्वभाव की विशेषताएँ बताते हुए कहा है कि किसी भी परिस्थिति में फूल अपनी गंध नहीं बेचता।

2. नीलाम लगाने वालों से कवि का क्या तात्पर्य है ? 2

उत्तर : फूल की सुंदरता देख खरीदने वाले बढ़ाकर दाम लगाते हैं पर अधिक दाम पर भी फूल अपनी गंध नहीं बेचना चाहता।

3. कवि के अनुसार फूल पर पहला हक किसका है ? 2

उत्तर : फूल पर पहला हक उस डाली का है जिस पर वह फूल खिला, जिस कोपल ने दी अरुणाई, जिन काँटों ने अक्सर जान बचाई। चाहे वो मुझे तोड़ें–नोचें मैं उफ्फ नहीं बोलूँगा।

अथवा

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई!
प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई।
पड़ता खूब तुषार पदमदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते।
निशा काल में लोग घरों में निज निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान स्यार चिल्लाकर बार–बार रोते हैं।
अर्धरात्रि को घर से कोई जो आंगन को आता,
शून्य गगन मंडल को लख यह मन में है भय पता।
तारे निपट मलिन चन्द्र ने पाण्डुवर्ण है पाया,
मानों किसी राज्य पर है, राष्ट्रीय कष्ट कुछ आया।
धनियों को है मौज रात–दिन हैं उनके पौ–बारे में,
दिन–दरिद्रों के मत्थे ही पड़े शिशिर दुख सारे।
वे खाते हैं हलुवा–पूड़ी, दूध–मलाई ताजी,
इन्हें नहीं मिलता पर सुखी रोटी और न भाजी।

1. उपरोक्त पंक्तियों में कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?

उत्तर : कवि ने शिशिर ऋतु में पड़ने वाली अत्यधिक ठंडक से परेशान प्राणियों, साधक सम्पन्न एवं अभावग्रस्त व्यक्तियों के जीवनयापन का सजीव वर्णन किया है।

2. अमीर और गरीब के संबंध में कवि ने क्या कहा है?

उत्तर : कवि का कहना है कि धनवान और निर्धन दोनों भाई–भाई हैं किन्तु समाज में अमीरों और गरीबों के भाग्य में बहुत असमानता होती है।

3. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए।
द्युतिहीन, पांडुवर्ण

उत्तर : द्युतिहीन– तेजहीन
पांडुवर्ण– पीला रंग

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

देशभक्ति, हिन्दुस्तान, ज्ञान

उत्तर : **देशभक्ति–** द् + ए + श् + अ + भ् + अ + क् + त् + इ
हिन्दुस्तान– ह् + इ + न् + द् + उ + स् + त् + आ + न् + अ
ज्ञान– ज् + ञ + आ + न + अ

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

यहा–वहा, बासुरी, लाघना

उत्तर : **यहा–वहा–** यहाँ–वहाँ
बासुरी– बाँसुरी
लाघना– लाँघना

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

सकट, वशज, शका

उत्तर : **सकट–** संकट
वशज– वंशज
शका– शंका

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

खिलाफत, एतराज, वाजिब

उत्तर : **खिलाफत–** खिलाफ़त
एतराज– एतराज़
वाजिब– वाज़िब

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

मासिक, वास्तविक, भिड़ंत

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	मास	इक
2.	वास्तव	इक
3.	भिड़	अंत

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1
सकुशल, बेगुनाह, अधिकृत
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	स	कुशल
2.	बे	गुनाह
3.	अधि	कृत

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
उपकारक, प्रदर्शन, विद्रोही
उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	उप	कार	क
2.	प्र	दर्श	न
3.	वि	द्रोह	ई

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
संवाद, उद्धार, महौज, सर्वोत्तम, गुरुपदेश
उत्तर : संवाद– सम् + वाद
उद्धार– उत् + हार
महौज– महा + ओज
सर्वोत्तम– सर्व + उत्तम
गुरुपदेश– गुरु + उपदेश

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए। 3
1. ईसा मसीह ने कहा मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं
2. कौन कहता है कि पूरी जिंदगी को दाँव पर लगा देने में कोई आनंद नहीं है
3. गाँधीजी ने कहा अहिंसा परमो धर्म
4. वह व्यक्ति मुझसे अधिक बुद्धिमान है मुझसे अधिक सहनशील है

उत्तर :
1. ईसा मसीह ने कहा, "मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं"।
2. कौन कहता है कि पूरी जिंदगी को दाँव पर लगा देने में कोई आनन्द नहीं है ?
3. गाँधीजी ने कहा– अहिंसा परमो धर्म।
4. वह व्यक्ति मुझसे अधिक बुद्धिमान है; मुझसे अधिक सहनशील है।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. "अतिथि तुम कब जाओगे" पाठ के लेखक शरद जोशी की भाषा शैली का वर्णन कीजिए। 2
उत्तर : शरद जोशी जी की भाषा अत्यंत सरल और सहज है। मुहावरों और हास–परिहास का हल्का स्पर्श देकर इन्होंने अपनी रचनाओं को अधिक रोचक बनाया है। धर्म, अध्यात्म, राजनीति, सामाजिक जीवन, व्यक्तिगत आचरण, सभी पर उन्होंने लेख लिखे हैं। इन्होंने व्यंग्य लेख, व्यंग्य अन्यास, व्यंग्य कॉलम के अतिरिक्त हास्य–व्यंग्यपूर्ण धारावाहिकों की पटकथाएँ और संवाद भी लिखे। इन्होंने अपनी व्यंग्य–रचनाओं में समाज में पाई जाने वाली सभी विसंगतियों का बेबाक चित्रण किया है।

2. "धर्म की आड़" पाठ से क्या संदेश मिलता है ? 2
उत्तर : गणेशशंकर विद्यार्थी द्वारा लिखा यह निबंध "धर्म की आड़" धर्म के विभिन्न आयामों तथा पक्षों को प्रस्तुत करता है। धूर्त लोग किस प्रकार स्वार्थ सिद्धि के लिए धर्म की आड़ में समाज व देश के सम्मान को कलुषित कर देते हैं, लेखक ने इस निबंध में यह प्रदर्शित किया है। आम आदमी बिना कुछ जाने–समझे कुछ लालची व बुरे लोगों के संकेतों पर भ्रमित हो उत्पाद मचाते हैं। यह पाठ संदेश देता है कि धूर्त लोगों की बातों में आकर राष्ट्रहित में कार्यरत रहना चाहिए।

3. कलाभिज्ञ लोगों को कीचड़ का कौनसा रूप पसंद है? 1
उत्तर : कलाभिज्ञ लोगों को कीचड़ जब भट्‌टी में पकाए हुए मिट्‌टी के बर्तनों का रूप ले लेता है तो वह रंग बेहद पसंद आता है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का एकाध ठीकरे का रंग आ जाए तो उसे वार्म. टोन कहकर विज्ञ लोग खुश हो जाते हैं।

9. "एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा" पाठ में लेखिका व अन्य पर्वतारोहियों के साहस का उदाहरण जीवन में सफलता पाने में किस प्रकार सहायक है ? 5
उत्तर : इस पाठ में हिमालय के दुर्गम क्षेत्र की प्राकृतिक आपदाओं और इनसे मनुष्य के संघर्ष का चित्रण प्रेरणादायक है। ऐवरेस्ट की यात्रा एक जटिल अभियान है। इसमें लेखिका व सभी पर्वतारोहियों को एवरेस्ट पर चढ़ने और खतरों का सामना करने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। सभी पर्वतारोही खतरों का डटकर सामना करने के लिए तैयार थे और अंततः सफलता की ओर अग्रसर होते गए। सफलता प्राप्ति के लिए जीवन में साहस व दृढ़–संकल्प का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। प्रस्तुत

पाठ में लेखिका की सफलता इसका प्रमाण है। यात्रा के दौरान उनके जीवन पर मंडराते संकट से वह थोड़ी देर भयभीत भी हुई पर संकल्प व साहस के सहारे मुसीबतों को पार करते हुए अपने लक्ष्य की सीढ़ियाँ चढ़ती गई। उनके आत्मविश्वास, धैर्य व लगन की परीक्षा कदम–कदम पर होती रही पर उन्होंने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर इतिहास रच दिया।

अथवा

"जब मन को सूझ का रास्ता नहीं मिलता, तो बेचैनी से कदम तेज हो जाते हैं।" दुःख का अधिकार पाठ से इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लेखक ने वृद्ध स्त्री के दुख का कारण जानने के बाद उसके दुख में शरीक होना चाहा। उसे स्त्री के प्रति सहानुभूति थी वह उसे रोते देख सांत्वना देना चाहता था पर उसे अपने मनोभावों पर नियंत्रण रखना पड़ा क्योंकि उसने अच्छी पोशाक पहनी थी तथा वह समाज के उच्च वर्ग से संबंध रखता था। मनुष्य का सामाजिक दर्जा उसकी पोशाक तथा आर्थिक स्थिति से निर्धारित होता है इसलिए हमदर्दी अभिव्यक्त न करने की विवशता के रहते उसे कोई रास्ता सूझ नहीं रहा था और वहाँ से चले जाना हितकर जान उसके कदम तेज़ हो गए। दुखयारी स्त्री को सांत्वना व सहायता दे पाने में असमर्थ वह वहाँ से चला गया।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. "बिना रंग वाला लोहे का फाटक" कहकर कवि ने किस ओर संकेत किया है ? 2

उत्तर : इस कथन से कवि का यह अभिप्राय स्पष्ट होता है कि उनके पुराने बचपन के घर का फाटक लोहे का बना हुआ था पर उस पर रंग नहीं लगा था। दूर से उसका बेरंग होना लेखक को एक निशानी के तौर पर नज़र आता था। इस प्रकार कवि यह स्पष्ट करना चाहता है कि उनके बचपन के पुराने घर पर आधुनिकता का कोई प्रभाव नहीं पड़ा था।

2. पंक्तियों का भावार्थ लिखिए– 2

"धनि रहीम जल पंक को, लघु जिय पिअत अघाय।
उदधि बड़ाई कौन है, जगत पिआसो जाय।।"

उत्तर : इन पंक्तियों से कवि का आशय है कि जो व्यक्ति चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो यदि किसी के काम न आए वह महान् नहीं हो सकता। कवि कहते हैं कि कीचड़ का जल समुद्र के जल से अधिक महान है, जिसका पानी पीकर छोटे जीव तृप्त रहते हैं। समुद्र की महानता किस काम की, जो संसार के प्राणियों की प्यास ही नहीं बुझा पाता। प्राणी समुद्र के पास जाकर भी प्यासे रह जाते हैं, उसका कड़वा जल उनके किसी काम का नहीं।

3. 'अग्नि पथ' शब्द से कवि का क्या अभिप्राय है? 1

उत्तर : 'अग्नि पथ' से कवि का अभिप्राय जीवन के उस मार्ग से है जो अनेक कठिनाइयों तथा संघर्षों से भरपूर है। ऐसे मार्ग पर चलना सरल नहीं है, फिर भी कवि मनुष्य को ऐसे 'अग्नि पथ' पर चलने के लिए प्रेरित कर रहा है।

11. नए इलाके में ..... और खुशबू रचते हैं हाथ, कविताओं का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : नए इलाके में–कविता का मूल भाव यह है कि जीवन में सबकुछ परिवर्तनशील है। कवि कहता है कि वह अक्सर नए बसते शहरों में अपना रास्ता भूल जाता है। वह उन निशानियों को ढूँढ़ता है जिनके सहारे उसे अपनी मंजिल तक पहुँचना है परन्तु खुशबू रचते हाथ ..... कविता में कवि ने समाज के गरीबों, मजदूरों एवं लघु उद्योग में संलग्न कारीगरों की दुर्दशा का चित्रण किया है, ये मजदूर स्वयं गंदी बस्तियों में रहते हैं तथा दूसरों के लिए सुंगधित अगरबत्तियाँ बनाते हैं। अपने कार्य के दौरान उनके हाथ जख्मी हो जाते हैं फिर भी वे रुकते नहीं एवं अपने परिश्रम व लगन से खुशियाँ बाँटते रहते हैं।

अथवा

'अग्निपथ' कविता के कवि का परिचय दीजिए व उनकी शैली का भी वर्णन कीजिए।

उत्तर : 'अग्निपथ' कविता के कवि हरिवंशराय बच्चन जी का जन्म उत्तरप्रदेश के इलाहाबाद शहर में 27 नवम्बर, 1907 को हुआ था। कुछ समय तक विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहने के बाद भारतीय विदेश सेवा में चले गए थे। इनकी रचनाओं में व्यक्ति–वेदना, राष्ट्र–चेतना और जीवन–दर्शन के स्वर मिलते हैं। इन्होंने कई देशों का भ्रमण किया और मंच पर ओजस्वी वाणी में काव्यपाठ के लिए विख्यात हुए। इनकी कविताएँ सहज और संवेदनशील हैं। इन्होंने आत्मविश्लेषण वाली कविताएँ भी लिखी है। कविता के अलावा बच्चन जी ने अपनी आत्मकथा भी लिखी है, जो हिंदी गद्य की बेजोड़ कृति मानी गई। इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं : मधुशाला, निशा–. निमंत्रण, एकांत संगीत, मिलन–दामिनी, आरती और अंगार इत्यादि।

12. गिल्लू पाठ में सोनजुही गिल्लू से किस प्रकार संबंधित है ? 3

उत्तर : गिल्लू, गिलहरी का एक नन्हा बच्चा था जिसे कौए के जोड़े ने चोंच मारकर घायल कर दिया था। लेखिका ने उस घायल जीव की मरहम–पट्टी करके उसका ख्याल रख स्वस्थ किया था। उसके बाद गिल्लू

लेखिका के पास ही रहने लगा था। गिल्लू सोनजुही की लताओं में अक्सर छिपकर बैठता था तथा अपनी अनोखी गतिविधियों से लेखिका को आनन्द की अनुभूति करवाता था। सोनजुही को देखकर लेखिका को गिल्लू की स्मृति होती थी। सोनजुही की पीली कली देख लेखिका को अनायास ही उस छोटे से जीव का स्मरण हो आया था।

अथवा

लेखक के डाकखाने जाने और रास्ते की शरारतों का वर्णन अपने शब्दों में करो।

उत्तर : लेखक के भाई ने लेखक को कुछ चिट्ठियाँ डाकखाने पहुँचाने दी थी। उन्हीं चिट्ठियों को पहुँचाने लेखक और उसका छोटा भाई अपना डंडा, धोती में चने भुंजवाने ले चले। उछलते–कूदते वे गाँव के उस कुँए के नजदीक पहुँच गए, जिसमें काला साँप गिरा हुआ था। कुँआ बहुत गहरा था तथा पानी का नामोनिशान नहीं था। मस्ती व चंचलता से सराबोर मक्खनपुर पढ़ने वाली लेखक के मित्रों की पूरी टोली जिज्ञासावश उस कुँए में पत्थर फेंकती तथा साँप की क्रोधपूर्ण फुसकार सुन कह–कहे लगाती। यह रोजाना की आदत–सी हो गई थी।

13. दिये जल उठे पाठ में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी से गाँधीजी की मुलाकात कहाँ हुई थी? 2

उत्तर : गाँधीजी व पटेल जी की संक्षिप्त मुलाकात सड़क पर हुई। साबरमती आश्रम जेल के रास्ते में ही पड़ता था। इसलिए गाँधीजी वल्लभभाई जी से मिलने आश्रम से बाहर आ गए। सभी आश्रमवासी भी सड़क किनारे खड़े हो गए। पटेल जी के रोब के आगे पुलि. सवालों को आश्रम के पास मोटर रोकनी पड़ी। वहीं उनकी मुलाकात हुई जिसमें पटेल जी ने कार में बैठते हुए कहा– "मैं चलता हूँ। अब आपकी बारी है।"

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **रोबोटिक संसार।**
   • रोबोट (मशीनी मानव) • उपयोग • परिणाम।
2. **वर्चुअल एज्युकेशन।**
   • आशय • शिक्षा का बदलता स्वरूप • लाभ
3. **मेरी प्रिय पुस्तक**
   • वर्ण्य विषय • ग्रंथ की भाषा तथा रसों का समावेश
   • प्रिय लगने के कारण

उत्तर :

1. रोबोटिक संसार

रोबोट एक भाव–विहीन, संवेदनहीन कृत्रिम मानव जैसा यंत्र है, जिसे रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी आधुनिक तकनीकों से बनाया जाता है। इसे कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के माध्यम से संचालित व निर्देशित किया जाता है। रोबोट के इस्तेमाल से कोई भी कार्य कम समय तथा त्रुटि रहित होता है। आधुनिक रोबोट को इस प्रकार बनाया गया है कि वह विभिन्न प्रकार के कार्य आसानी से कर सकने में समर्थ है। घरेलू कार्य, कार–ट्रेन चलाने, अंतरिक्ष की खोज, प्रयोगशाला, हथियारों का निर्माण व उपयोग, चिकित्सीय सर्जरी, मनोरंजन इत्यादि ऐसे कई क्षेत्र हैं जहाँ रोबोट्स की माँग तेजी से बढ़ रही है। रोबोट्स के बढ़ते उपयोग से जहाँ अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं वहाँ कुछ बुरे परिणाम भी संभव हैं। अत्यधिक उपयोग और दुरुपयोग बेरोजगारी, स्वास्थ्य सम्बन्धी दुष्प्रभाव आदि तथा रोबोट को समझदारी व भलाई के कार्यों में प्रयोग करना विज्ञान प्रदत्त वरदान साबित होगा।

2. वर्चुअल एज्युकेशन

वर्चुअल एज्युकेशन के लिए वर्चुअल क्लासरूम होता है जिसमें छात्र ऑनलाइन रहकर कई मल्टीमीडिया टूल्स जैसे आधुनिक वीडियो तकनीक, गेम बेज्ड लर्निंग और लाईव लेक्चर के माध्यम से अपने कोर्स चुनकर उससे संबंधी समस्या का निवारण तथा मनचाहे तरीके व गति से अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। भारत में शिक्षा का तेजी से विस्तार व विकास हो रहा है। ऐसे में अनुभवी शिक्षक, बेहतरीन करिकुलम और ग्लोबल क्लासरूम का अनुभव छात्रों के व्यक्तिगत विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है हायर एजुकेशन को डिजिटल बनाने के तहत एच. आर. डी. मिनिस्ट्री ने कई ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध करवाएं हैं। देशभर व विदेशों से शिक्षा को सीधा कम्प्यूटर द्वारा घर बैठे छात्रों तक पहुँचाने से शिक्षा का प्रसार तो आसान हुआ ही है, रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हुए हैं। यह नवीनतम व उच्चस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का उत्तम स्रोत है।

3. मेरी प्रिय पुस्तक

रामचरितमानस मेरी प्रिय पुस्तक है। यह गोस्वामी तुलसीदास द्वारा अवधी भाषा में रचित है। इसमें लगभग सभी अलंकार तथा करुण रस, वीर रस, रौद्र रस, अतिशयोक्ति अलंकार आदि के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इसका विषय कवि वाल्मीकि के ग्रंथ 'रामायण' पर आधारित है। रामचरितमानस में पारिवारिक व सामाजिक मूल्यों की स्थापना की गई है। इसी पुस्तक में पुत्र और भाई का आदर्श रूप देखने को मिलता है। इसमें भारतीय संस्कृति को दर्शाया गया है। रामचरितमानस

में सात कांड हैं। इनमें अयोध्या कांड और उत्तर कांड विशेष पसंद किए जाते हैं। किष्किंधा कांड बहुत मार्मिक है। रामभक्त हनुमान की स्वामिभक्ति, राम की पितृभक्ति, दशरथ का पुत्र प्रेम, लक्ष्मण की भातृभक्ति, उर्मिला और भरत का त्याग जैसा प्रत्येक विषय अपने–आप में आदर्श स्थापित करता है। राम–राज्य का आदर्श शासन प्रत्येक विषय में अनूठा और अद्वितीय है। रामचरित मानस ने तुलसी को और तुलसी ने रामकथा को अमर करके जनमानस तक पहुँचाया है।

15. अपनी बहन के नया घर खरीदने पर बधाई देते हुए आशीर्वादस्वरूप पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

G-21, विनय नगर
अजमेर।
29 मार्च, 2019
प्रिय कोमल
असीम स्नेह

हम यहाँ कुशलपूर्वक हैं और ईश्वर से आप सबकी कुशलता की प्रार्थना करते हैं। आपका गृहप्रवेश पूजा का निमंत्रण पत्र मिला। आपने नया घर खरीदा है यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। आपका नया घर देखने को हम भी उत्सुक हैं पर बहन अभी ऑफिस से अवकाश मिल पाना मुमकिन नहीं है। दरअसल ऑफिस में कुछ जरूरी ऑडिट चल रहा है जिसके चलते मेरा यहाँ उपस्थित होना अनिवार्य है। किन्तु काम समाप्त होते ही हम जल्दी ही मिलने आएगें। हमारी ओर से जीजाजी और तुम्हें बहुत–बहुत बधाई। ईश्वर ऐसे ही आप सबके जीवन में सुख व समृद्धि की अनुकम्पा करते रहें। ईश्वर तुम्हारे जीवन में खुशियों के अनगिनत अवसर लाए।

घर में सभी बड़ों को हमारा नमस्कार व बच्चों को स्नेह।

जल्दी मिलने की कामना के साथ
तुम्हारा भाई
चिराग

अथवा

आपका आधार कार्ड खो जाने (गुम हो जाने) की अवस्था में पिताजी से सलाह माँगने हेतु पत्र लिखिए।

उत्तर :

104,
आदर्श नगर
बीकानेर।
21 अक्टूबर, 2019
परम पूज्य पिताजी
सादर नमस्कार
मैं यहाँ कुशलता से हूँ और आपके कुशलक्षेम के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। पिताजी एक परेशानी उत्पन्न हो गई है जिसके लिए मुझे आपकी सलाह की आवश्यकता है। पिताजी कल मैं अकाउंट खुलवाने बैंक गया था तथा लौटते समय न जाने कहाँ मेरा आधार कार्ड गुम हो गया। बहुत खोजने का प्रयत्न किया पर कहीं नहीं मिला। मैं आपसे यह पूछना चाहता हूँ कि अब मुझे क्या करना चाहिए व किससे सम्पर्क करना चाहिए। किसी ने बताया कि चिंता का कोई विषय नहीं है यह दूसरा मिल जाएगा किन्तु कैसे ये जानने के लिए आपकी राय चाहता हूँ। कृपया कर मेरा मार्गदर्शन करे व उपयुक्त रास्ता सुझाए।
आपके जवाब के इंतजार में,
आपका पुत्र
सुनील

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

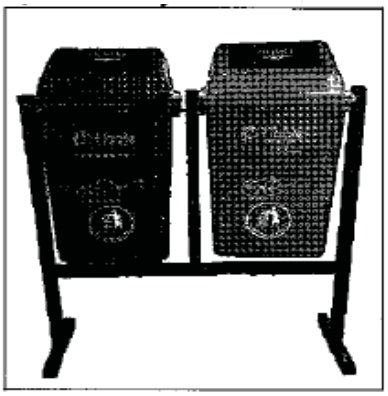

उत्तर : इस चित्र में नीला व हरा कूड़ादान दिखाई पड़ रहा है। इन कूड़ेदानों का भिन्न रंग महज इत्तेफाक नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत अभियान का ही हिस्सा है। इसके तहत यह निर्धारित किया गया कि गीला कचरा हरे कूड़ेदान में तथा सूखा कचरा नीले कूड़ेदान में डालें। इस तरह रसोई के गीले कचरे को खाद बनाने में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकेगा तथा सूखे कचरे का निपटान किया जा सकें।

अथवा

उत्तर : प्रस्तुत चित्र में बच्चे एक–दूसरे को रंग लगा रहे हैं। यह होली का त्यौहार है। इस दिन सब एक–दूसरे को गुलाल लगाते हैं तथा गुजीया व ठण्डाई का आनन्द लेते हैं। पहले दिन होलिका का दहन किया जाता है और दूसरे दिन रंगों से खेलकर धूलण्डी मनाई जाती है। होलिका दहन पौराणिक कथा हिरण्याकश्यप व प्रहलाद से आरम्भ किया गया था। वृन्दावन में फूलों की होली खेली जाती है।

17. दो मित्रों के बीच किसी मजदूर कैंप में चंदा देने के विचार पर संवाद लिखिए। 5

उत्तर :

पहला मित्र– अरे अविनाश! तुम आ गए। मैं तुम्हारा ही इन्तजार कर रहा था।

दूसरा मित्र– कहो मित्र, क्या बात है ?

पहला मित्र– हमारी सोसाइटी के सामने एक मजदूर कैंप है अगर तुमने कभी ध्यान दिया हो तो।

दूसरा मित्र– हाँ मित्र, देखा है।

पहला मित्र– आज मैंने वहाँ के बच्चे देखे। किसी के पास पढ़ने के लिए पुस्तक नहीं है। देखकर बहुत दुख हुआ।

दूसरा मित्र– ऐसा कैसे पता चला मित्र।

पहला मित्र– मित्र वे लोग पाठशाला इसलिए नहीं जाते क्योंकि उनके पास पढ़ाई के साधन नहीं हैं।

दूसरा मित्र– ओह! यह तो बहुत दुखद है।

पहला मित्र– मैं चाहता हूँ क्यों न हम सोसाइटी से चंदा इकट्ठा कर वहाँ जरूरत की सामग्री पहुँचाए।

दूसरा मित्र– ये अच्छा विचार है।

पहला मित्र– उनके पढ़ने के लिए पुस्तकें व स्टेशनरी आदि के लिए आज ही चंदा एकत्रित करना होगा।

दूसरा मित्र– ठीक है मित्र! मैं तुम्हारे साथ हूँ।

अथवा

इस वर्ष महाराष्ट्र में आई बाढ़ पर दो व्यक्तियों के बीच संवाद को लिखिए।

उत्तर :

पहला व्यक्ति– नमस्कार, भाई साहब। आप कैसे हैं ?

दूसरा व्यक्ति– नमस्कार, मैं ठीक हूँ। आप कैसे हैं ?

पहला व्यक्ति– मैं भी उत्तम हूँ। आप बहुत दिनों बाद दिखाई दिए।

दूसरा व्यक्ति– जी, मैं गाँव गया हुआ था।

पहला व्यक्ति– सब कुशल मंगल तो है ना ?

दूसरा व्यक्ति– जी, वैसे तो ठीक है पर इस वर्ष हुई वर्षा से हमारे गाँव में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

पहला व्यक्ति– ओह, यह तो बहुत दुख की बात है। आपके परिजन कैसे हैं ?

दूसरा व्यक्ति– हाँ, जनहानि तो नहीं हुई किन्तु सामान का बहुत नुकसान हुआ है तथा खेतों में अत्यधिक पानी चले जाने से फसलें भी बर्बाद हो गई हैं।

पहला व्यक्ति– यह जानकर बहुत दुख हुआ मित्र।

दूसरा व्यक्ति– बस वहीं गया था घरवालों को ढांढस बँधाने।

पहला व्यक्ति– संयम रखो मित्र, सब ठीक हो जाएगा।

दूसरा व्यक्ति– धन्यवाद मित्र।

18. किन्डरगार्डन स्कूल के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

ब्राइट फ्यूचर

आधुनिक पद्धति द्वारा शिक्षा की सुविधा
बच्चों के लिए खेलने व मनोरंजन की उपयुक्त सुविधाएँ

अंग्रेजी माध्यम

संपर्क करें

सेक्टर–6, गोपी नगर
जयपुर।
मोबाइल नंबर– 9087653421

अथवा

योग संस्थान में योग कोर्स के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

राष्ट्रीय योगा संस्थान

योग टीचर्स ट्रेनिंग सर्टिफिकेट कोर्स
(साप्ताहिक कार्यक्रम)
मान्यता प्राप्त योगा कोर्सेस
योगा में कैरियर बनायें
समय
प्रात:— 7:00 — 9:00
सायंकाल:— 5:00 — 7:00

संपर्क करें

सेक्टर 4, विद्याधर नगर,
जयपुर।
मोबाइल नंबर– 7834210965

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online